मूल हिंदी

भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1494
09 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या

1494 # श्री नीरज डांगीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में शहरी जनसंख्या में निरंतर वृद्धि हुई है, यदि हां, तो वर्तमान में शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि दर का वर्ष-वार प्रतिशत कितना है;

(ख) देश में सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाले राज्यों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या देश में शहरीकरण के कारण रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा जैसे मुद्दे पिछड़ रहे हैं, यदि हाँ, तो इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं; और

(घ) सरकार द्वारा भविष्य में शहरीकरण को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क): नवीनतम उपलब्ध जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 377 मिलियन लोग, जो कुल जनसंख्या का 31 प्रतिशत हैं, शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। यद्यपि, भारत में शहरी आबादी में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है, लेकिन जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है। 1991-2001 में दशकीय वृद्धि दर 32.6% थी, जो 2001-2011 के दौरान घटकर 31.8% रह गई। तथापि, शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि दर के वर्तमान प्रतिशत के संबंध में कोई आधिकारिक आंकड़े सरकार के पास उपलब्ध नहीं है।

(ख): भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, देश में सबसे अधिक शहरी जनसंख्या महाराष्ट्र (5.08 करोड़) में है, उसके बाद उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु का स्थान है।

(ग) और (घ): शहरी विकास राज्य का विषय है। बहुत-सी राज्य सरकारें अपने प्रयास करते हुए शहरी महानगरीय क्षेत्रों में भीड़भाड़ कम करने के लिए महानगरीय क्षेत्र योजनाएँ तैयार करती हैं, जिनसे इन शहरों के भीड़भाड़ वाले मुख्य क्षेत्रों से आर्थिक गतिविधियों के विकेंद्रीकरण को समर्थन मिलता हैं। इसके अलावा, रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा को प्रभावित करने वाले योजनाबद्ध कार्यक्रमों/एडवाइजरी के माध्यम से राज्य सरकारों के प्रयासों में मदद करने के लिए, भारत सरकार ने शहरी गतिशीलता में सुधार करने के लिए अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ-साथ पाँच मिशन शुरू किए हैं:- अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत); प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) - सभी के लिए आवास (शहरी); स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम), स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम); दीन दयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई - एनयूएलएम)। इन मिशनों का उद्देश्य बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराकर, उत्तरदायी शासन, सुस्थिर पर्यावरण को बढ़ावा देकर और आजीविका के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ तेज आर्थिक विकास के माध्यम से नागरिकों के लिए जीवन को सुगम बनाना है।

****